भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 151

04 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए

हरित इस्पात को अपनाना

151. श्री देरेक ओब्राईन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में हरित इस्पात के उत्पादन को बढ़ावा देने और इसे अपनाए जाने के लिए सरकार द्वारा की गई वर्तमान पहलों और नीतियों का लेखा-जोखा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा कार्बन उत्सर्जन को कम करने और स्थिरता बढ़ाने पर विशेष ध्यान देते हुए, इस्पात उद्योग में पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों और नवोन्मेषी पद्धतियों को अपनाने को प्रोत्साहित करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) हरित इस्पात प्रौद्योगिकियों के विकास और कार्यान्वयन में तीव्रता लाने के लिए सरकारी, निजी क्षेत्र और अनुसंधान संस्थानों के बीच निवेश और सहयोग को सुकर बनाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्य-पद्धतियों की खोज कर रही है और उन्हें अपना रही है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) से (ग) : देश में इस्पात क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने के लिए, अल्पावधि (वित्त वर्ष 2030) में ऊर्जा और संसाधन दक्षता के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देते हुए इस्पात उद्योग से कार्बन उत्सर्जन को कम करने पर बल दिया गया है। मध्यावधि (2030-2047) के लिए हरित हाइड्रोजन आधारित इस्पात उत्पादन और कार्बन कैप्चर, उपयोग एवं भंडारण महत्वपूर्ण क्षेत्र होंगे। दीर्घावधि (2047-2070) में परिवर्तनकारी वैकल्पिक प्रौद्योगिकीय नवाचार निवल शून्य लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता कर सकते हैं।

इसके अलावा इस्पात उद्योग में अकार्बनीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं:-

(1) इस्पात क्षेत्र में अकार्बनीकरण हेतु विभिन्न पद्धतियों के संबंध में चर्चा, विचार-विमर्श और सिफारिश करने के लिए उद्योग, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, एस एंड टी निकायों, विभिन्न मंत्रालयों और अन्य हितधारकों को शामिल करते हुए 13 कार्यबलों का गठन किया गया है।

(2) इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति, 2019 इस्पात निर्माण में कोयले की खपत को कम करने के लिए स्वदेशी रूप से उत्पादित स्क्रैप की उपलब्धता को बढ़ाती है।

(3) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और उपयोग के लिए राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन की घोषणा की है। इस मिशन में इस्पात क्षेत्र को भी एक हितधारक बनाया गया है।

(4) मोटर यान (यान स्क्रैपिंग सुविधा का रजिस्ट्रीकरण एवं कार्य) नियम सितम्बर, 2021 में इस्पात क्षेत्र में स्क्रैप की उपलब्धता को बढ़ाए जाने की परिकल्पना की गई है।

(5) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जनवरी 2010 में शुरू किया गया राष्ट्रीय सौर मिशन सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देता है और इस्पात उद्योग के कुल उत्सर्जन को कम करने में भी सहायता प्रदान करता है।

(6) नेशनल मिशन फॉर इनहेन्सड एनर्जी एफिसिएंसि के अंतर्गत परफॉर्म, एचीव एंड ट्रेड (पीएटी) योजना, ऊर्जा खपत को कम करने के लिए इस्पात उद्योग को प्रोत्साहित करती है।

(7) इस्पात क्षेत्र ने आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण परियोजनाओं में वैश्विक रूप से सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध प्रौद्येगिकियों (बीएटी) को अपनाया है।

(8) ऊर्जा दक्षता संवर्धन के लिए जापान के न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट आर्गेनाईजेशन (एनईडीओ) की आदर्श परियोजनाओं को इस्पात संयंत्रों में कार्यान्वित किया गया है।

(घ) जी हां, सरकार, अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणाली अपनाने पर विचार कर रही है। मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल ने विभिन्न संबंधित क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीक का संज्ञान लिया है। विशेष रूप से हरित इस्पात उत्पादन के लिए विश्व भर में अपनाई गई नीति और अन्य उपायों की पहचान और उन्हें समानुक्रमित करने तथा संभावित सहयोग का पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय फोकस संबंधी कार्यबल का गठन किया गया है।

****